Middle Himalaya लघु हिमालय / हिमाचल श्रेणी

• Ave. Height – 1800 – 3000 m • Max. Height – 4500 m.
• Width — 80 Km 100 Km. / 60 – 80 Km

कश्मीर में पीरपंजाल श्रेणी लघु हिमालय का प० किनारा है, यह महान हिमालय के दक्षिण में उसके समानान्तर फैली है, पीरपंजाल की ऊँचाई 4000 मी० है। झेलम और व्यास नदियों के मध्य 400 Km की लम्बाई में फैलकर आगे द० पू० दिशा में मुड़ जाती है इसमें दो दर्रे हैं —

(1) पीरपंजाल दर्रा (3494 m) और बनिहाल दर्रा (2832 मी०) जिनसे होकर मार्ग J. & K. जाता है। पीरपंजाल श्रेणी के द० पू० धौलाधर श्रेणी है (स्थित शिमला) और पुनः आगे नाग, टीबा, मसूरी आदि श्रेणियाँ पाई जाती हैं इन श्रेणियों पर चकराता, नैनीताल, रानीखेत, मसूरी आदि नगर स्थित हैं जिनकी 1500 से 2000 मीटर के बीच पाई जाती है

मध्य एवं महान हिमालय के मध्य मुख्य सीमान्त दरार (Main Boundary fault) पाई जाती है जो पंजाब से असम राज्य तक विस्तृत है इसमें उलटे भ्रंश व मोड़ पाए जाते हैं विवर्तनिक दृष्टि से यह प्रायः शान्त है

यहाँ प्रीकैम्ब्रियन व Palaeozoic युग की चट्टानें पाई जाती हैं इसमें स्लेट, चूनापत्थर, क्वार्ट्ज आदि पाई जाती हैं इसके द० की ढाल तीव्र और उत्तर का ढाल मन्द है ढलानें वनों से ढके हैं

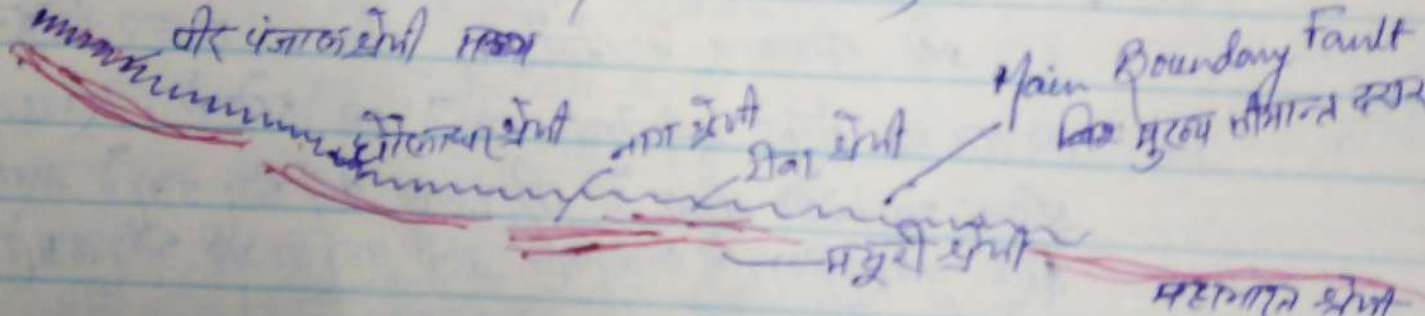

घाटियाँ — मध्य एवं महान हिमालय के मध्य की घाटियाँ है —

(1) पश्चिम में कश्मीर की घाटी पीरपंजाल & महान हिमालय के मध्य फैली है

महान हिमालय
कश्मीर की घाटी
पीरपंजाल श्रेणी

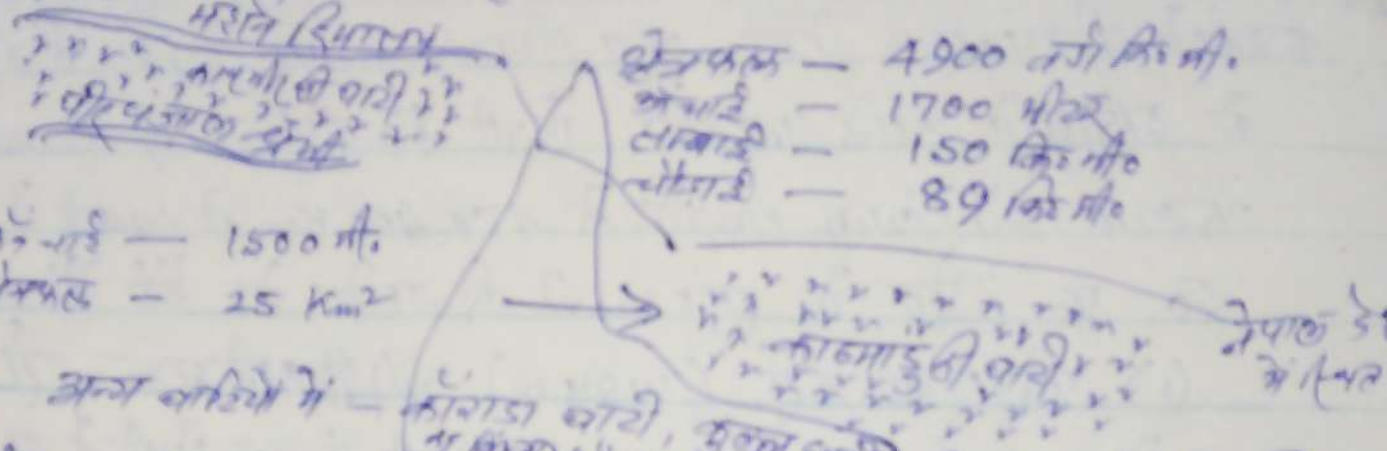

क्षेत्रफल — 4900 वर्ग कि.मी.
ऊँचाई — 1700 मीटर
लम्बाई — 150 कि.मी.
चौड़ाई — 89 कि.मी.

ऊँचाई — 1500 मी.
क्षेत्रफल — 25 Km^2

काठमाण्डू की घाटी — नेपाल देश में स्थित

अन्य घाटियों में — कांगड़ा घाटी, कुल्लू घाटी हिमाचल प्रदेश में है

निर्माण सम्बन्धी मत —

1. D.N. Wadia के अनुसार — कश्मीर की घाटी इन घाटियों का विस्तार मात्र है अथवा समानान्तर नदी घाटी है
II. De Tera के अनुसार यह एक नवीन असंतुलित अन्तर्पर्वतीय बेसिन है जो हिमालय के किनारे पर स्थित का साक्ष्य प्रस्तुत करता है
III. एक मत यह है कि प्लीस्टोसीन काल में एक करेवा (Karewa) नाम का सरोवर था। इसके दक्षिण में पीरपंजाल श्रेणी और उत्तर में महान हिमालय था। इसके अवसादीकरण के फलस्वरूप तली ऊपर उठ गई और उपरोक्त घाटियों का निर्माण हो गया है